खबरों में रहे स्टॉक

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज

आईसीआईसीआई बैंक खुले बाजार में 2 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगा

₹ 506.0 पिछला बंद भाव
₹ 491.3 आज का बंद भाव
▼ 2.9 %

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स

ओएफएस के जरिये 15 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचने की योजना

₹ 1,177.8 पिछला बंद भाव
₹ 1,011.0 आज का बंद भाव
▼ 14.2 %

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा

इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन बनाने के लिए इजरायल की कंपनी संग एमओयू

₹ 613.2 पिछला बंद भाव
₹ 636.5 आज का बंद भाव
▲ 3.8 %

सीमेंस

मेकेनिकल ड्राइव कारोबार बेचने की बोर्ड ने दी मंजूरी

₹ 1,231.6 पिछला बंद भाव
₹ 1,215.0 आज का बंद भाव
▼ 1.4 %

डीएलएफ

महाराष्ट्र सरकार ने 31 दिसंबर तक फ्लैटों पर स्टांप शुल्क 2 फीसदी घटाया

₹ 160.1 पिछला बंद भाव
₹ 176.0 आज का बंद भाव
▲ 9.9 %

संक्षेप में

कॉग्निजेंट के सह-संस्थापक ने किया ग्रीनटेक में निवेश

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लीथियम आयन बैटरी और एनर्जी स्टोरेज सिस्टम विकसित करने और उसका विनिर्माण करने वाले स्टार्टअप ग्रीनटेक ने कॉग्निजेंट के सहसंस्थापक लक्ष्मी नारायण और अशोक लीलैंड के पूर्व वाइस चेयरमैन वी सुमंत्रण सहित चार निवेशकों से 20 लाख डॉलर जुटाए हैं। दोनों कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल होंगे। अन्य दो निवेशक है यूसीएएल समूह और रेडिएंस समूह के प्रवर्तक के एस मनियन। यह रकम ऐसे समय में जुटाई गई है जब कंपनी विनिर्माण में उतर रही है। अभी तक वह शुद्ध रूप से शोध व विकास कंपनी थी। कंपनी दोपहिया, कार व वाणिज्यिक वाहनों के लिए चेन्नई में बैटरी बनाती है। *बीएस*

जायडस वेलनेस को रकम जुटाने की मंजूरी

जायडस वेलनेस ने गुरुवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने अपने प्रवर्तक जायडस फैमिली ट्रस्ट को तरजीही आधार पर शेयर जारी कर और अन्य विकल्पों के जरिये 1,099.98 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की योजना को मंजूरी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसके निदेशक मंडल (बोर्ड) ने जायडस फैमिली ट्रस्ट को तरजीही आधार पर शेयर जारी करने, पेशकश करने और आवंटित करने की मंजूरी दी है। इसके तहत बोर्ड ने प्रति शेयर 1,643.10 रुपये की कीमत पर 21.30 लाख शेयर जारी कर 349.98 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी है। *भाषा*

हवाई अड्डा कारोबार होगा सूचीबद्ध

जीएमआर के बोर्ड ने हवाई अड्डा कारोबार को सूचीबद्ध कराने की मंजूरी दी

अरिंदम मजूमदार
नई दिल्ली, 27 अगस्त

भारत की सबसे बड़ी एयरपोर्ट ऑपरेटर जीएमआर ने अपने हवाई अड्डा व्यवसाय को अलग इकाई के तौर पर सूचीबद्ध कराने का निर्णय लिया है। कंपनी के बोर्ड ने इस संबंध में उस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है जिसके तहत होल्डिंग कंपनी जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर को हवाई अड्डा और गैर-हवाई अड्डा इकाइयों से अलग किया जाएगा।

कंपनी बोर्ड ने प्रतिभूतियों के निर्गम के जरिये 5,000 करोड़ रुपये तक की पूंजी जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत, जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर के गैर-हवाई अड्डा व्यवसायों - ऊर्जा, शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर, ईपीसी सेवाओं को जीएमआर पावर ऐंड अर्बन इन्फ्रा लिमिटेड (जीपीयूआईएल) में शामिल किया जाएगा जबकि जीआईएल एक प्योर-प्ले एयरपोर्ट-ऑनिंग कंपनी होगी। यह भारतीय स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने वाली पहली एयरपोर्ट कंपनी होगी।

विलय से अलग होने के बाद, जीपीयूआईएल के शेयर जीएमआर इन्फ्रा के सभी शेयरधारकों को आवंटित किए जाएंगे और जीआईएल के सभी मौजूदा शेयरधारक समान अनुपात में जीपीयूआईएल के हिस्सेदार होंगे।

हवाई अड्डा व्यवसाय की सूचीबद्धता से जीएमआर के एयरपोर्ट व्यवसाय को मदद मिलगी। यह व्यवसाय समूह के कुल राजस्व में 59.5 प्रतिशत का योगदान देता है। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि एयरपोर्ट और गैर-एयरपोर्ट, दोनों व्यवसायों की अलग सूचीबद्धता से कॉरपोरेट होल्डिंग के ढांचे को सरल बनाने में भी मदद मिलेगी।

जीएमआर इन्फ्रा के एमडी एवं सीईओ किरण कुमार ग्रांधी ने कहा, 'हाल के वर्षों में, जीआईएल एक होल्डिंग ढांचे के तहत कई व्यवसायों के साथ तेजी से बढ़ी है। शेयरधारकों ने हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर व्यवसायों के विकास की राह पर आगे बढ़ने के लिए सूचीबद्ध इकाइयों का सुझाव दिया है। हम विभिन्न विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।' कंपनी ने जिस अन्य ढांचे पर विचार किया है, वह कंपनी को तीन अलग अलग इकाइयों में शामिल करने से संबंधित है जिनमें हवाई अड्डा, ऊर्जा और राजमार्ग शामिल हैं।

जीएमआर समूह का एयरपोर्ट पोर्टफोलियो करीब 17.2 करोड़ यात्री क्षमता से जुड़ा हुआ है और उसकी विकास से संबंधित परियोजनाओं में नई दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मैक्टन सेबू इंटरनैशनल एयरपोर्ट (फिलीपींस के मेगावाइड के साथ भागीदारी में) शामिल हैं, जबकि नई परियोजनाओं में गोवा में मोपा स्थित एयरपोर्ट और यूनान केहेराकलियन में अन्य हवाई अड्डा (जीईके टेर्ना के साथ भागीदारी में) शामिल है। जीएमआर एयरपोर्ट ने हाल में अपनी हवाई अड्डा इकाई में 49 प्रतिशत हिस्सा पेरिस की ग्रुप एडीपी को करीब 10,780 कीरोड़ रुपये में बेचने का सौदा पूरा किया है।

हालांकि हवाई अड्डा व्यवसाय मौजूदा कोरोनावायरस महामारी की वजह से प्रभावित हुआ है, क्योंकि लॉकडाउन से हवाई अड्डों पर यात्रियों की आवाजाही बाधित हुई है और परिचालन पुन शुरू होने के बाद सुधार की प्रक्रिया बेहद धीमी है। भारतीय एयरलाइनों को कोविड-पूर्व के स्तरों के 35 प्रतिशत पर भी पहुंचने में कड़ा संघर्ष करना पड़ा है, क्योंकि यात्री सरकार द्वारा क्वारंटाइन उपायों की वजह से और वायरस से संक्रमित होने के भय से फिलहाल यात्रा से परहेज कर रहे हैं।

समूह का राजस्व

कारोबार	समूह के कुल राजस्व का प्रतिशत
हवाई अड्डा	59.5
ऊर्जा	17.1
राजमार्ग	6.1
अन्य	16.6

स्रोतः कंपनी

कंपनी शेयर निर्गम के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही है

सितंबर से दाम बढ़ाने की तैयारी में इस्पात कंपनियां

ईशिता आयान दत्त
कोलकाता, 27 अगस्त

बढ़ती लागत और ऊंची अंतरराष्ट्रीय कीमतों को ध्यान में रखते हुए इस्पात कंपनियां सितंबर से कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।

जेएसडब्ल्यू स्टील के निदेशक (विपणन, वाणिज्यिक एवं कॉरपोरेट रणनीति) जयंत आचार्य ने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के बीच अंतर मौजूदा समय में लगभग 8 प्रतिशत का है। उन्होंने कहा, 'सितंबर से कीमतें बढ़ाने की योजना है। कितनी वृद्धि की जाएगी, इस पर निर्णय लिया जाना है।'

आचार्य ने कहा कि लौह अयस्क कीमतें 6 साल के ऊंचे स्तर पर हैं। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय इस्पात कीमतें अगस्त में भी बढ़ी हैं।' अप्रैल 2019 में हॉट रोल्ड कॉइल (एचआरसी) के लिए औसत एफओबी चाइना का भाव 532 डॉलर प्रति टन था। अगस्त 2020 के शुरू में, यह 495 डॉलर पर था और मौजूदा समय में 515 डॉलर है जिससे करीब 20 डॉलर प्रति टन की वृद्धि का पता चलता है। हालांकि मौजूदा कीमत अभी भी पिछले साल के अप्रैल स्तर पर नहीं पहुंची है।

सितंबर से कीमत वृद्धि 2,000-3,000 रुपये प्रति टन के दायरे में हो सकती है। जहां एक प्रमुख इस्पात उत्पादक ने कहा कि इस्पात कीमतों में 3,000 रुपये प्रति टन की वद्धि पर विचार किया गया है, वहीं सेकेंडरी इस्पात उत्पादक ने कहा कि यह कीमत वद्धि 2,000 रुपये प्रति टन हो सकती है। दूसरी तिमाही में, अब तक इस्पात कीमतों में करीब 3,000 रुपये प्रति टन तक का इजाफा हो चुका है।

आचार्य ने कहा कि दुनियाभर में मांग सुधर रही है और अगस्त में औसत बिक्री कोविड-पूर्व स्तरों के आसपास रही है। हालांकि कीमतें मार्च के कोविड-पूर्व स्तरों पर नहीं पहुंची हैं। सेकंडरी इस्पात उत्पादक ने कहा, 'जहां घरेलू बाजार में मांग सुधरी है, वहीं निर्यात बाजार में भी उत्साह दिखा है।'

जॉइंट प्लांट कमेटी (जेपीसी) के आंकड़े से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2021 के पहले चार महीनों में सेमी-फिनिश्ड इस्पात का निर्यात वित्त वर्ष 2020 में सेमी-फिनिश्ड इस्पात निर्यात की कुल मात्रा को पार कर गया। चूंकि दुनियाभर के देश अब लॉकडाउन से बाहर निकल रहे हैं जिससे मांग में सुधार देखा गया है।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के बीच मौजूदा समय में लगभग 8 प्रतिशत का अंतर है

Ansal Housing Limited
— An ISO 9001:2015 Company —
(Formerly known as Ansal Housing & Construction Ltd.)
पंजीकृत कार्यालय 606, 6वां तल, इंद्र प्रकाश, 21 बाराखंबा रोड, नई दिल्ली–110001
प्रधान कार्यालय 2एफ–एएचसीएल, दूसरा तल, अंसल प्लाजा, सेक्टर–1, वैशाली, गाजियाबाद, उ.प्र.–201010
ई–मेल : ahl@ansals.com वेबसाइट : www.ansals.com
सीआईएन : L45201DL1983PLC016821

शुद्धिपत्र

27 अगस्त, 2020 को इस अखबार में प्रकाशित 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तिय परिणामों के संदर्भ में, संख्या 5 यानी अवधि के लिए समग्र आय के खिलाफ उल्लिखित संख्याओं को ब्रैकेट में पढ़ा जाए।

अंसल हाउसिंग लिमिटेड के लिए
(पूर्व में अंसल हाउसिंग एंड कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के रुप में ज्ञात)
हस्ता./– (कुशाग्र अंसल)
पुर्णकालिक निदेशक व सीईओ
डीआईएन नं. : 01216563
दिनांक : 27 अगस्त, 2020
स्थान : वैशाली, गाज़ियाबाद

IDBI BANK
CIN:L65190MH2004GOI148838
आईडीबीबाई बैंक लि. एनपीए प्रबंधन समूह, मुख्य कार्यालय– आईडीबीआई टॉवर, डब्ल्यूटीसी कॉम्प्लैक्स, कैफे परेड, मुंबई – 400 005

कारण बताओ सूचना

ऋणी : लीवे लॉजिस्टिक लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 312–313, तीसरी मंजिल, एरोस सिटी स्कवायर, रोज़ वुड़ सिटी, सेक्टर–49–50, गुड़गांव–122118

एतद्द्वारा नीचे वर्णित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि आरबीबाई मास्टर परिपत्र द्वारा बनाए गए अनुसार इच्छुक डिफाल्टरों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है और आईडीबीबाई बैंक द्वारा जारी कारण बताओ सूचना को बिना कार्यवाही वापस कर दिया गया है।

नाम व पता	पद	इच्छुक डिफाल्ट के मापदंड
लीवे लॉजिस्टिक लिमिटेड : 203, ए विंग, दूसरी मंजिल, सुप्रीम बिजनेस पार्क, सुप्रीम सिटी, हीरानंदानी गार्डन्स, पोवई, मुबंई–400076	ऋणी	2.2.1(सी) सहायक/समूह कंपनियों या अन्य निगमितों को फंड ट्रांसफर करना 2.2.1(डी) लेंडर की पूर्व अनुमति के बिना लेंडर बैंक के अलावा अन्य बैंक या संघ सदस्य द्वारा फंड की रूटिंग करना 2.2.2 : फंड की सिपहोनिंग जो फंड विशेष उद्देश्य के प्रयुक्त नहीं किया गया है जिसे ऋणी के प्रचालनों से गैरसंबंधित उद्देश्य के प्रयोग के लिए लिया गया था।
संजय सिन्हा : बी–702, द ग्रेट ईस्टर्न गार्डन्स, एलबीएस मार्ग, कंजूरमार्ग वेस्ट, मुबंई–400078	प्रमोटर–गारंटर	
नमिता सिन्हा : बी–702, द ग्रेट ईस्टर्न गार्डन्स, एलबीएस मार्ग, कंजूरमार्ग वेस्ट, मुबंई–400078	प्रमोटर–गारंटर	
आकांक्षा श्रीवास्तव : बी–702, द ग्रेट ईस्टर्न गार्डन्स, एलबीएस मार्ग, कंजूरमार्ग वेस्ट, मुबंई–400078	निदेशक	
हसानंद ननानी ए–1(ग्राउंड फ्लोर), डब्ल्यू–43, ग्रेटर कैलाश–।।, नई दिल्ली, 110048	निदेशक	

उक्त व्यक्ति, यदि वे इच्छुक हैं, इस सूचना की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बता सकते हैं कि क्यों उन्हें इच्छुक डिफाल्टर के रूप में आरबीआई अनुसार घोषित और रिपोर्डिट नहीं किया जाना चाहिए।

आपका भवदीय,
हस्ता./–
(प्राधिकृत हस्ताक्षरी)
आईडीबीआई बैंक लि.

दिनांक : 28 अगस्त, 2020
स्थान : मुंबई

बिज़नेस स्टैंडर्ड
दिल्ली संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस (प्रा.) लिमिटेड, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201301, उ. प्र. से मुद्रित एवं नेहरु हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० DELHIN/2008/27804
पाठक संपादक को **lettershindi@bsmail.in** पर संदेश भेज सकते हैं1
टेलीफोन- 011-23720202-10 फैक्स 011-23720201
सब्सक्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया सम्पर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4 एवं आई/3, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013
ई मेल.. **subs_bs@bsmail.in**
या 57007 पर एसएमएस करें **SUB BS**

डिस्क्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है1 बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मै0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं

सार्वजनिक सूचना
[भारतीय ऋणशोध अक्षमता एवं दिवालिया (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 की विनियमावली 12(3) के साथ पठित विनियमावली 31(2)]
राठी सुपर स्टील लिमिटेड (परिसमापनाधीन) के हितधारकों के अवधानार्थ

भारतीय ऋणशोध अक्षमता एवं दिवालिया (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 की विनियमावली 12(3) के साथ पठित विनियमावली 31(2) के अनुसार एतद्वारा सार्वजनिक घोषणा की जाती है कि राठी सुपर स्टील लिमिटेड परिसमापनाधीन (''कॉर्पोरेट देनदार'') के हितधारकों की सूची परिसमापक द्वारा तैयार की जा चुकी है जिसे 21 अगस्त, 2020 को माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, नई दिल्ली, प्रधान पीठ (''माननीय एनसीएलटी'') के पास दाखिल की गयी है।

चूँकि कॉर्पोरेट देनदार की कोई सक्रिय वेबसाइट नहीं है अतः परिसमापक द्वारा स्वीकृत दावों की राशि का सम्पूर्ण विवरण प्रदर्शित करते हुए जिसकी सीमा तक दावे प्रतिभूत/अप्रतिभूत हैं, हितधारकों के विवरण तथा स्वीकृत/अस्वीकृत प्रमाण के अंश और पूर्ण रूप से अस्वीकृत किये गये प्रमाण, यदि कोई हो, सहित हितधारकों की सूची परिसमापक की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक : "http://www.rathisupersteel.resurgentrp.com" पर देखी जा सकती है।

हितधारकों को पुनः सूचित किया जाता है कि हितधारकों की सूची की प्रविष्टि में कोई संशोधन, जैसा कि माननीय एनसीएलटी, प्रधान पीठ, नई दिल्ली के समक्ष दाखिल है, केवल माननीय एनसीएलटी, प्रधान पीठ, नई दिल्ली के पास आवेदन दर्ज करके ही किया जा सकता है।

ह./–
हरीश चन्द्र अरोड़ा (परिसमापक)
राठी सुपर स्टील लिमिटेड (परिसमापनाधीन)
आईबीबीआई पंजीकरण संख्या : IBBI/IPA-003/IP-N00077/2017-2018/10700
पता : ए–189, कालकाजी, नई दिल्ली–110019
ई–मेल : liquidator.rathisuper@gmail.com, harisharora2012@gmail.com
तिथि : 27.08.2020
स्थान : नई दिल्ली

निक्की ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : आई–9, एलजीएफ, लाजपत नगर–1, नई दिल्ली–110024
सीआईएन : L65999DL1986PLC024493
टेलीफैक्स : +91–11–64000323, वेब : www.nikkiglobal.com
ई–मेल : info@nikkiglobal.com, investors@nikkiglobal.com

सदस्यों हेतु 34वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना

प्रिय सदस्यगण,

1. एतद्वारा सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 तथा उसके तहत निर्मित नियमों एवं कॉर्पोरेट मामले मन्त्रालय द्वारा निर्गत परिपत्र सं. 14/2020, 17/2020 तथा 20/2020 क्रमशः दिनांक दिनांक 08 अप्रैल, 2020, दिनांक 13 अप्रैल, 2020 तथा 5 मई, 2020 (''एमसीए परिपत्र'') के साथ पठित सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 तथा परिपत्र सं. SEBI/HO/CFD/CMD1/CIR/P/2020/79 दिनांक 12 मई, 2020 के अनुपालन में कॉमन स्थल पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना कम्पनी की 34वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) वीडियो कांफ्रेंसिंग (''वीसी'')/अन्य ऑडियो विजुअल साधनों (''ओएवीएम'') सुविधा के माध्यम से मंगलवार, 29 सितम्बर, 2020 को 11.00 बजे पूर्वा. आयोजित की जायेगी।
2. 34वीं एजीएम की सूचना तथा वित्तीय विवरण सहित वर्ष 2020 की वार्षिक रिपोर्ट केवल ई–मेल के माध्यम से उन सदस्यों के पास भेजी जायेगी जिनके ई–मेल पते एमसीए परिपत्र/त्रों तथा सेबी परिपत्र के अनुसार कम्पनी अथवा उनके सम्बद्ध डिपॉजिटरी भागीदारों (''डिपॉजिटरी'') के साथ पंजीकृत हैं। सदस्य 34वीं एजीएम में केवल वीसी/ओएवीएम के माध्यम से ही शामिल या भाग ले सकेंगे। 34वीं एजीएम में शामिल होने तथा रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग में भाग लेने या 34वीं एजीएम के दौरान ई–वोटिंग प्रणाली के माध्यम से मतदान करने की रीति 34वीं एजीएम की सूचना में उपलब्ध है। वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से भाग लेने वाले सदस्यों की परिगणना कम्पनी अधिनियम की धारा 103 के तहत कोरम पूरा करने के उद्देश्य से की जायेगी। 34वीं एजीएम की सूचना तथा वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाइट www.nikkiglobal.com तथा बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध होगी।
3. भौतिक प्रारूप में शेयरधारण करने वाले सदस्य जिन्होंने कम्पनी/डिपॉजिटरी के साथ अपने ई–मेल पते पंजीकृत नहीं कराये हैं वे 34वीं एजीएम की सूचना तथा ई–वोटिंग सहित वीसी/ओएवीएम के माध्यम से 34वीं एजीएम में शामिल होने के लॉगिन विवरण तथा/अथवा वार्षिक रिपोर्ट निम्नलिखित दस्तावेजों की स्कैन्ड प्रति info@nikkiglobal.com पर भेजकर प्राप्त कर सकते हैं :
   (अ) अपना नाम, फोलियो नम्बर तथा पूर्ण पता का उल्लेख करते हुए एक हस्ताक्षरित आवेदन पत्र;
   (ब) पैन कार्ड की स्वप्रमाणित स्कैन्ड प्रति; तथा
   (स) कम्पनी के साथ पंजीकृत के रूप में सदस्यों के पते के समर्थन में किसी अन्य दस्तावेज (जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, चुनाव पहचान पत्र, पासपोर्ट) की स्वप्रमाणित स्कैन्ड प्रति।
4. भौतिक प्रारूप में शेयर धारण करने वाले सदस्य जिन्होंने इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस या किसी अन्य माध्यम (''इलेक्ट्रॉनिक बैंक मैंडेट'') के माध्यम से अपने बैंक खातों सीधे लाभांश प्राप्त करने के लिए अपने मैंडेट (विवरण) अपडेट नहीं कराये हैं वे info@nikkiglobal.com पर ई–मेल भेजकर उपर्युक्त पैरा 3 में उल्लिखित दस्तावेजों के अतिरिक्त निम्नलिखित विवरण/दस्तावेज भेजकर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपने बैंक खाते में सीधे लाभांश प्राप्त करने के लिए अपने इलेक्ट्रॉनिक बैंक विवरण पंजीकृत करा सकते हैं :
   (अ) उस बैंक का नाम तथा शाखा सिमें लाभांश प्राप्त किया जाना है तथा बैंक खाते का प्रकार;
   (ब) कोर बैंकिंग सॉल्यूशन के क्रियान्वयन के पश्चात अपने बैंक द्वारा आवंटित बैंक खाता संख्या;
   (स) 11 अंक का आईएफएससी कोड; तथा
   (द) ऐसे कैंसिल चेक की स्वप्रमाणित स्कैन्ड प्रति जिस पर सदस्य अथवा संयुक्त खाते के मामले में प्रथम धारक का नाम अंकित हो।
   बैंक खातों के विवरण की अनुपलब्धता में कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित होने की स्थिति में कम्पनी ऐसे शेयरधारकों के पास लाभांश वारंट/चेक डाक सेवा के माध्यम से भेजेगी।
5. डीमैट प्रारूप में शेयरधारण करने वाले सदस्यों से अपने डिपॉजिटरी के साथ अपने ई–मेल पते/इलेक्ट्रॉनिक बैंक विवरण अपडेट कराने का निवेदन है।

उपर्युक्त सूचना कम्पनी के समस्त सदस्यों की सूचना तथा लाभ के लिए निर्गत है तथा एमसीए परिपत्र/त्रों एवं सेबी परिपत्र के अनुपालन में है।

बोर्ड के आदेशानुसार,
निक्की ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड
हस्ता./–
अशीष अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 023019026
तिथि: 27.8.2020
स्थान: नई दिल्ली

बीएस बातचीत

अगली गर्मी तक कोविड पूर्व स्थिति में पहुंचेगे

मेकमाईट्रिप के ग्रुप सीईओ **राजेश मैगो** ने **अनीश फडणीस** से बातचीत में कहा कि राजस्व वृद्धि के लिए कंपनी नए समाधान पर है। इसी क्रम में वह एजेंटों के साथ साझेदारी में विस्तार करने और अपने बहीखाते को दुरुस्त करने पर ध्यान दे रही है। पेश हैं मुख्य अंश:

सरकार द्वारा पाबंदियों में ढ़ील दिए जाने से क्या आपको सुधार के संकेत दिख रहे हैं?

अनलॉक 2.0 और 3.0 के बाद सप्ताह दर सप्ताह और महीना दर महीना कारोबार में सुधार हो रहा है। जून में घरेलू उड़ानों के लिए बुकिंग कोविड पूर्व स्तर के मुकाबले महज 5 से 7 फीसदी रही थी लेकिन अब वह बढ़कर 25 से 27 फीसदी तक पहुंच गई है। होटल बुकिंग भी एकल अंक से बढ़कर दो अंकों में पहुंच चुकी है। बस और जमीन परिवहन कारोबार अब 10 से 15 फीसदी पर है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा में ढील दिए जाने की घोषणा के बाद स्थिति और बेहतर होगी। हां हमें सुधार के संकेत दिख रहे हैं।

कोविड-19 ने यात्रा करने का तरीका बदल दिया है। कारोबार के कोविड पूर्व स्थिति तक पहुंचने के साथ ही आपको क्या बदलाव दिख रहा है?

लघु अवधि में मुझे बड़ी सामूहिक यात्रा होती नहीं दिख रही है। परिवार और दोस्तों के साथ छोटी यात्रा का चलन बरकरार रहेगा। रिजॉर्ट्स और हिल स्टेशन के लिए बुकिंग में भी हमें यह प्रवृत्ति पहले से ही दिख रही है। घरेलू यात्रा से सुधार को रफ्तार मिलेगी और हम उम्मीद करते हैं कि अगले साल मार्च तक कारोबार कोविड पूर्व स्तर के मुकाबले 50 से 60 फीसदी के करीब पहुंच जाएगा। जहां तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा का सवाल है तो यात्रा का बुलबुला पैदा होना उत्साहजनक है। हमें मालदीव अथवा यूएई जैसी जगहों के लिए यात्रा दिख रही है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा में सुधार की रफ्तार काफी सुस्त रहेगी। मुझे उम्मीद है कि कारोबार अगले साल गर्मी तक कोविड पूर्व स्तर तक पहुंच जाएगा क्योंकि तब तक हमें टीका मिल जाएगा।

पिछले दिनों घोषित बी2बी प्लेटफॉर्म में आपको क्या फायदा दिख रहा है?

यह प्लेटफॉर्म हमें पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा। हमारी यात्रा इन्वेंटरी को ऐक्सेस करने के लिए ऑफलाइन एजेंटों के लिए एक प्लेटफॉर्म तैयार करने के निर्णय का कोविड-19 से कोई संबंध नहीं है। हमने ग्राहकों के वर्ताव को ध्यान में रखते हुए एक दीर्घावधि निर्णय लिया है। देश में करीब 20 फीसदी होटल बुकिंग ऑफलाइन एजेंटों के जरिये होती है और वह हमारे लिए एक अवसर है। हम ऑफलाइन एजेंटों के लिए इसे आसान कर रहे हैं ताकि वे यात्रा मांग को पूरा कर सकें।

आपका प्रमुख कारोबार अभी भी सामान्य के मुकाबले 10 से 20 फीसदी के स्तर पर है। ऐसे में मेकमाईट्रिप राजस्व को कैसे रफ्तार देगी?

हमने अपनी वेबसाइट और ऐप पर थर्ड पार्टी विज्ञापन के लिए एक विज्ञापन प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म तैयार किया है। इससे हमारे यात्रा साझेदारों (विमानन कंपनियों अथवा पर्यटन बोर्ड) को हमारी वेबसाइट पर विज्ञापन देने और हमें शुल्क कमाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा हम अपने ट्रिप मनी प्लेटफॉर्म में भी विस्तार कर रहे हैं ताकि उपभोक्ता ऋण एवं बीमा आदि को भी उसके दायरे में लाया जा सके।

ब्रुकफील्ड की होगी कोवर्क्स

राघवेंद्र कामत
मुंबई, 27 अगस्त

कनाडा की निवेश फर्म ब्रुकफील्ड ऐसेट मैनेजमेंट इंक साथ मिलकर काम करने के लिए समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी कोवर्क्स के अधिग्रहण के लिए बेंगलूरु के ऑफिस स्पेस डेवलपर आरएमजेड कॉर्प के साथ बातचीत कर रही है। इस मामले से अवगत सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्रुकफील्ड बेंगलूरु, चेन्नई, मुंबई एवं अन्य शहरों में आरएमजेड की कुछ परिसंपत्तियों का अधिग्रहण कर सकती है।

सूत्रों ने कहा, 'इस सौदे के लिए मूल्यांकन एवं शर्तों को निर्धारित करने के लिए फिलहाल काम चल रहा है।' कोवर्क्स की स्थापना मेंदा परिवार के सिद्धार्थ मेंदा ने किया था। फिलहाल देश भर में इसके 16 को-वर्किंग सेंटर मौजूद हैं और कंपनी बेंगलूरु, मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली एनसीआर आदि जगहों पर इन केंद्रों का संचालन कर रही है।

सूत्रों ने कहा, 'अधिकत को-वर्किंग ग्राहकों के आरएमजेड की ओर रुख करने से ब्रुकफील्ड ने दिलचस्पी दिखाई है। चूंकि ब्रुकफील्ड आरएमजेड की परिसंपत्ति के अधिग्रहण की संभावनाएं तलाश रही है और इसलिए इसमें एकीकरण का भी कारक हो सकता है।' उन्होंने कहा कि आरएमजेड की प्रॉपर्टी का यह खरीदार उसकी प्रॉपर्टी और कोवर्क्स में अधिक से अधिक तालमेल बिठाने की भी कोशिश कर सकता है।

ब्रुकफील्ड के प्रवक्ता ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार किया। आरएमजेड ने भी खबर लिखे जाने तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सूत्रों ने कहा, 'ब्रुकफील्ड के लिए कोवर्क्स साझा क्षेत्र की रणनीति के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। उसने को-लिविंग क्षेत्र में भी दिलचस्पी दिखाई है।' वह मुंबई में 15 एकड़ भूमि के पट्टे के लिए मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भी बातचीत कर रही थी। साथ ही इस फंड मैनेजर ने उस उपक्रम को बढ़ाने की भी योजना बनाई है। इसी साल जून में ब्रुकफील्ड ने 490 करोड़ रुपये में मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जेट एयरवेज से दो फ्लोर खरीदे थे। ब्रुकफील्ड के पास देश में 2.2 करोड़ वर्ग फुट वाणिज्यिक प्रॉपर्टी उपलब्ध है। इसमें कॉरपोरेट पार्क और वाणिज्यिक संपत्ति भी शामिल हैं। उसने गुरुग्राम और कोलकाता में यूनिटेक से कॉरपोरेट पार्क खरीदे थे जबकि हीरानंदानी परिवार से मुंबई के पवई क्षेत्र में वाणिज्यिक संपत्ति खरीदी थी। इसके अलावा पिछले साल उसने द लीला होटल्स से होटलों की भी खरीदारी की थी।

सीमेंस ने बेचा मेकेनिकल ड्राइव कारोबार

सीमेंस इंडिया के निदेशक मंडल ने कंपनी के मेकेनिकल ड्राइव (एमडी) कारोबार को 440 करोड़ रुपये में सीमेंस एजी ग्रुप कंपनी को बेचने और हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने कहा कि यह निर्णय इस बात को ध्यान में रखते हुए लिया गया है कि इस इकाई का कंपनी के मौजूदा कारोबार के साथ कोई तालमेल नहीं है। कंपनी ने कहा है कि उसके बोर्ड ने मेकेनिकल ड्राइव कारोबार की बिक्री सीमेंस एजी की सहायक इकाई फ्लेंडर जीएमबीएच की इकाई फ्लेंडर ड्राइव्स प्राइवेट लिमिटेड को करने की मंजूरी दी है। बयान में कहा गया है कि इस सौदे का मूल्य 440 करोड़ रुपये है। निदेशकों की समिति और ऑडिट समिति के सिफारिश पर एक स्वतंत्र मूल्यांकन के आधार पर सौदे की रकम निर्धारित की गई है। बयान में कहा गया है कि यह सौदा अगले साल जनवरी से प्रभावी होगा जो सभी वैधानिक मंजूरियों पर निर्भर करेगा। *बीएस*